भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

अनुसंधान और नवाचार सहयोग का पता लगाने के लिए यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा आईआईटी भुवनेश्वर का दौरा

भुवनेश्वर, 16 अक्टूबर 2025: अनुसंधान एवं नवाचार सलाहकार डॉ. विवेक वी. धाम के नेतृत्व में यूरोपीय संघ (ईयू) से भारत आए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय संस्थानों और आईआईटी भुवनेश्वर के बीच अनुसंधान, नवाचार और अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने के रास्ते तलाशने के लिए आज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल, जिसमें फ्रांस, जर्मनी, हंगरी, नीदरलैंड और चेक गणराज्य सहित कई यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल थे, ने आईआईटी भुवनेश्वर के नेतृत्व और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की।

इस अवसर पर आयोजित बातचीत के दौरान, उच्चायुक्त ने आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर के साथ-साथ डीन (पूर्व छात्र, कॉर्पोरेट और अंतर्राष्ट्रीय संबंध) प्रो. आशीष विश्वास से मुलाकात की; प्रो. राजेश रोशन दाश, डीन (छात्र मामले); प्रो. चन्द्रशेखर एन. भेंडे, डीन (पीजी एवं अनुसंधान कार्यक्रम); प्रो. दिनाकर पासला, डीन (प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श); श्री बामदेव आचार्य, रजिस्ट्रार; स्कूलों के प्रमुख, संकाय सदस्य, और अनुसंधान और उद्यमिता पार्क (आरईपी) के प्रतिनिधि। इस अवसर पर, प्रो. करमलकर ने शिक्षण-अधिगम, अनुसंधान, उद्योग-अकादमिक सहयोग, उद्यमिता विकास, शिक्षक शिक्षा और मानसिक कल्याण उपायों में संस्थान की अद्वितीय शक्तियों का परिचय देते हुए एक प्रस्तुति दी। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने चल रहे और आगामी यूरोपीय संघ-भारत सहयोग के अवसरों, फ़ेलोशिप और द्विपक्षीय फंडिंग योजनाओं पर अंतर्दृष्टि साझा की।

इस यात्रा का उद्देश्य यूरोपीय संघ के प्रमुख होराइजन यूरोप कार्यक्रम - दुनिया का सबसे बड़ा अनुसंधान और नवाचार वित्तपोषण ढांचा - के तहत सहयोग को मजबूत करना और जलवायु लचीलापन, स्वच्छ ऊर्जा और हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों, सामग्री विज्ञान, स्मार्ट विनिर्माण, टिकाऊ शहरीकरण, स्वास्थ्य सेवा नवाचार और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन जैसे प्रमुख अनुसंधान एवं विकास क्षेत्रों में संभावित साझेदारी की पहचान करना है।

प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाओं, सेंट्रल रिसर्च इंस्ट्रुमेंटेशन फैसिलिटी (सीआरआईएफ), सिलिकॉन कार्बाइड रिसर्च एंड इनोवेशन सेंटर और स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर का भी दौरा किया और स्थिरता और तकनीकी नवाचार के साथ आईआईटी भुवनेश्वर की चल रही परियोजनाओं के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की।

प्रोफेसर करमलकर ने भविष्य के सहयोग के बारे में आशावाद व्यक्त किया और कहा: "हम यूरोपीय संघ के संस्थानों के साथ सार्थक साझेदारी बनाने के लिए तत्पर हैं जो ज्ञान के आदान-प्रदान में तेजी ला सकते हैं और कुछ सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों के लिए प्रभावशाली समाधान तैयार कर सकते हैं।"

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री धाम ने भारत के साथ वैज्ञानिक और तकनीकी संबंधों को गहरा करने के लिए यूरोपीय संघ की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कहा: "भारत हमारे वैश्विक अनुसंधान और नवाचार परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। आईआईटी भुवनेश्वर की हमारी यात्रा संयुक्त वैज्ञानिक उत्कृष्टता के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की हमारी साझा दृष्टि की पुष्टि करती है।"

यह यात्रा टिकाऊ, समावेशी और प्रौद्योगिकी-संचालित विकास को आगे बढ़ाने की साझा दृष्टि के अनुरूप, यूरोपीय संघ-भारत शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।